

अमित सीड्स (AMIT SEEDS)	
आदर्श सोयाबीन कृषि कार्यमाला (हिंदी अनुवाद)	
(1) उन्नत किस्म	-: JS-335,JS-9305,JS-9560,JS-2172,JS-2117,KDS-726,KDS-753,KDS-992 MAUS-612,DS-228,RVSM2011-35,Black Bold.
(2) बोने की समय	-: 15 जून से 5 जुलाई।
(3) बीज दर	-: 25 से 30 किलो प्रति एकड़।
(4) बोने की विधी	-: कतार से कतार की दूरी 30 से 45 से.मी., पौधे से पौधे की दूरी 4 से 5 से.मी। बीज को 3 से 4 से.मी. की गहराई पर बोयें।
(5) खाद की मात्रा	-: बोते समय 20 किलो नत्रजन, 60 किलो स्फुर, 20 किलो पोटाश और 20 किलो गंधक दें। खाद बीज से 5 से 7 से.मी. नीचे देना चाहिए।
(6) बीज उपचार	-: 1 किलो बीज 2.5 ग्राम थायरम से उपचारित करें।
(7) निंदाई	-: अधिक उत्पादन के लिए फसल को 45 दिन तक खरपतवार से मुक्त रखें। इसके लिए एक या दो बार हाथ से निंदाई एवं दो बार कुलपा चलाकर खरपतवार नष्ट करें।
(8) सिंचाई	-: फुल एवं फलियों में दाना बनते समय जमीन में नमी आवश्यक है। इन अवस्थाओं में वर्षा नहीं होने पर सिंचाई आवश्यक हैं।
(9) कीट एवं रोग नियंत्रण	-: कीट एवं रोग लगने पर अपने खेत के कृषि विस्तार से सम्पर्क करें एवं उनकी सलाह अनुसार दवाई का उपयोग करें। 0.1% प्रोफेनोफॉस 50 EC 0.05% मोनोक्रोटोफॉस 36 EC 0.04% क्विननालफॉस 25 EC
(10) कटाई	-: दानों में 14 से 16% नमी रहने पर कटाई करें।
(11) गहाई	-: श्वेशर अच्छी तरह से साफ करने के बाद गहाई करें।
(12) विशेष निर्देश	-: थैली में रखी दवाई से बीज को अच्छी तरह उपचारित कर ही बोयें। पर्याप्त नमी होने पर ही बीज की बुवाई करें (4 इंच वर्षा)। मेड़ एवं नाली (रिज एवं फरो) पद्धति से ही बोवाई करें। यदि फसल की बढ़वार बहुत अधिक हो तो बोने के 40 से 45 दिन में लिओसिन का एक स्प्रे अवश्य करें।
सूचना	-: उपरोक्त जानकारीयाँ शासकीय अनुसंधान केंद्रों की अनुशंसा पर आधारित है। मौसम तथा भूमि के बदलाव से इसमें फर्क आना संभव है इसलिये स्थानीय कृषि अधिकारी/ कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक की अनुशंसा अनुसार ही कृषि कार्य करें।
संपर्क विवरण -: अमित सीड्स ग्राम टाकलीमोरी इंदौर रोड,खण्डवा मो. -: 9827348541	

अमित सीड्स (AMIT SEEDS)	
सोयाबीन कृषी कार्यमाला (मराठी अनुवाद)	
(1) सुधारित वाण	-: JS-335, JS-9305, JS-9560, JS-2172, JS-2117, KDS-726, KDS-753, KDS-992, MAUS-612, DS-228, RVSM 2011-35, ब्लॅक बॉल्ड
(2) पेरणीची वेळ	-: 15 जून ते 5 जुलै
(3) बियाण्याचे प्रमाण	-: प्रति एकर 25 ते 30 किलो
(4) पेरणीची पद्धत	-: ओळीतील अंतर 30 ते 45 से.मी.रोपांमधील अंतर 4 ते 5 से.मी. बियाणे 3 ते 4 से.मी. खोलीवर पेटा
(5) खताचे प्रमाण	-: पेरणीवेळी:20 किलो नत्र, 60 किलो स्फुरद, 20 किलो पालाश,20 किलो गंधक खत बियाण्यापासून 5 ते 7 से.मी. खाली द्यावे
(6) बीज प्रक्रिया	-: 1 किलो बियाण्यास 2.5 ग्रॅम थायरमने प्रक्रिया करावी
(7) तण नियंत्रण	-: चांगल्या उत्पादनासाठी 45 दिवस तणमुक्त ठेवा, 1-2 वेळा हाताने निंदणी 2 वेळा कुळवणी करून तण नष्ट करावे
(8) सिंचन	-: फुलोरा व शेंगा तयार होताना जमिनीत ओलावा आवश्यक पाऊस नसल्यास सिंचन करणे आवश्यक
(9) कीड व रोग नियंत्रण	-: कीड/रोग दिसल्यास कृषी तज्ञांचा सल्ला घ्यावा औषधे: 0.1% प्रोफेनोफॉस 50 EC 0.05% मोनोक्रोटोफॉस 36 EC 0.04% क्विनालफॉस 25 EC
(10) कापणी	-: दाण्यात 14 ते 16% आर्द्रता असताना कापणी करावी
(11) मळणी	-: थेंशर स्वच्छ करूनच मळणी करावी
(12) विशेष सूचना	-: बियाण्याची योग्य प्रक्रिया करूनच पेरणी करावी पुरेसा ओलावा असल्यावरच पेरणी करावी (सुमारे 4 इंच पाऊस) मेढ व नाली (रिज-फरो) पद्धतीने पेरणी करावी वाढ जास्त झाल्यास 40-45 दिवसांनी लिओसिन फवारणी करावी
सूचना	-: ही माहिती शासकीय संशोधन केंद्रांच्या शिफारसीवर आधारित आहे. हवामान व जमिनीतील बदलांमुळे फरक पडू शकतो. त्यामुळे स्थानिक कृषी अधिकारी किंवा संशोधन संस्थेच्या सल्ल्यानुसार शेती करावी.
<p>संपर्क माहिती :</p> <p>अमित सीड्स</p> <p>ग्राम टाकळीमोरी, इंदौर रोड, खंडवा</p> <p>मो. : 9827348541</p>	

ಅಮಿತ್ ಸೀಡ್ಸ್ (AMIT SEEDS)

ಸೋಯಾಬೀನ್ ಕೃಷಿ ಕಾರ್ಯಮಾಲೆ (ಕನ್ನಡ ಅನುವಾದ)

- (1) ಸುಧಾರಿತ ಬಾಣಗಳು :- JS-335, JS-9305, JS-9560, JS-2172, JS-2117, KDS-726, KDS-753, KDS-992,
MAUS-612, DS-228, RVSM 2011-35, ಕಪ್ಪು ದಪ್ಪ
- (2) ಬಿತ್ತನೆ ಸಮಯ :- ಜೂನ್ 15 ರಿಂದ ಜುಲೈ 5 ರವರೆಗೆ
- (3) ಬೀಜ ಪ್ರಮಾಣ :- ಪ್ರತಿ ಎಕರಿಗೆ 25 ರಿಂದ 30 ಕಿಲೋ
- (4) ಬಿತ್ತನೆ ವಿಧಾನ :- ಸಾಲು ಅಂತರ 2.0 ರಿಂದ 4.0 ಸೆ.ಮೀ.. ಸಸ್ಯ ಅಂತರ 4 ರಿಂದ
8 ಸೆ.ಮೀ..
- 5) ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳ ಪ್ರಮಾಣ :- ಬಿತ್ತನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ: 20 ಕೆಜಿ ಸಾರಜನಕ, 60 ಕೆಜಿ ರಂಜ
ಕ, 20 ಕೆಜಿ ಪಲಾಶ್, 20 ಕೆಜಿ ಗಂಧಕ.ಗೊಬ್ಬರವನ್ನು ಬೀಜದ
ಕೆಳಗೆ 5 ರಿಂದ 7 ಸೆ.ಮೀ.ವರೆಗೆ ಹಾಕಬೇಕು.
- (6) ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ :- 1 ಕೆಜಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು 2.5 ಗ್ರಾಂ ಧಿರಮ್‌ನೊಂದಿಗೆ ಸಂಸ್ಕರಣೆ
ಮಾಡಬೇಕು.
- (7) ಕಳೆ ನಿಯಂತ್ರಣ :- ಉತ್ತಮ ಉತ್ಪಾದನೆಗಾಗಿ 45 ದಿನಗಳವರೆಗೆ ಕಳೆ ಮುಕ್ತವಾಗಿಡಿ, 1-2
ಬಾರಿ ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ತೆಗೆಯಿರಿ. ಎರಡು ಬಾರಿ ಗುದ್ದಲಿಯಿಂದ
ಕಳೆಗಳನ್ನು ನಾಶಪಡಿಸಬೇಕು.
- (8) ನೀರಾವರಿ :- ಹೂವುಗಳು ಮತ್ತು ಕಾಯಿಗಳನ್ನು ರೂಪಿಸುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ
ಮಣ್ಣಿನ ತೇವಾಂಶ ಅಗತ್ಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ.ಮಳೆ ಇಲ್ಲದಿದ್ದರೆ
ನೀರಾವರಿ ಅಗತ್ಯ.
- (9) ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ :- ಕೀಟಗಳು/ರೋಗಗಳು ಕಂಡುಬಂದರೆ, ಕೃಷಿ ತಜ್ಞರನ್ನು
ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ. ಔಷಧಿಗಳು:
0.1% ಪ್ರೊಫೆನೊಫಾಸ್ 50 ಇಸಿ
0.05% ಮೊನೊಕ್ರೋಟೊಫಾಸ್ 36 ಇಸಿ
0.04% ಕ್ವಿನಾಲಾಸ್ 25 ಇಸಿ
- (10) ಕೊಯ್ಲು :- ಧಾನ್ಯದ ತೇವಾಂಶ ೧೪ ರಿಂದ ೧೬% ಇದ್ದಾಗ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಬೇಕು.
- (11) ಒಕ್ಕಣೆ :- ಒಕ್ಕಣೆ ಯಂತ್ರವನ್ನು ಸ್ವಚ್ಛಗೊಳಿಸಿದ ನಂತರವೇ ಒಕ್ಕಣೆ ಮಾಡಬೇಕು.
- (12) ವಿಶೇಷ ಸೂಚನೆಗಳು :- ಸರಿಯಾದ ಸಂಸ್ಕರಣೆಯ ನಂತರವೇ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಬಿತ್ತಬೇಕು.
ಸಾಕಷ್ಟು ತೇವಾಂಶ ಇದ್ದಾಗ ಮಾತ್ರ (ಸುಮಾರು 4 ಇಂಚು ಮಳೆ) ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಿ.
ಬಿತ್ತನೆಯನ್ನು ರಿಡ್ಸ್-ಫಾರೋ ವಿಧಾನದಲ್ಲಿ ಮಾಡಬೇಕು.
ಬೆಳವಣಿಗೆ ಅತಿಯಾಗಿದ್ದರೆ, 40-45 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಲಿಯೋಸಿನ್ ಸಿಂಪಡಿಸಿ.

ಗಮನಿಸಿ :- ಈ ಮಾಹಿತಿಯು ಸರ್ಕಾರಿ ಸಂಶೋಧನಾ ಕೇಂದ್ರಗಳ ಶಿಫಾರಸುಗಳನ್ನು
ಆಧರಿಸಿದೆ.ಹವಾಮಾನ ಮತ್ತು ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿನ ಬದಲಾವಣೆಗಳು ವ್ಯತ್ಯಾಸವನ್ನುಂಟುಮಾಡಬ
ಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿ ಅಥವಾ ಸಂಶೋಧನಾ ಸಂಸ್ಥೆಯ ಸಲಹೆಯ
ಮೇರೆಗೆ ಕೃಷಿ ಮಾಡಬೇಕು.

ಸಂಪರ್ಕ ಮಾಹಿತಿ:

ಅಮಿತ್ ಸೀಡ್ಸ್

ಗ್ರಾಮ ತಕಲಿಮೋರಿ, ಇಂದೋರ್ ರಸ್ತೆ, ಖಾಂಡ್ವಾ

ಮೊ.: 9827348541